भाकृअनुप - केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

अगस्त 2026 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

शुष्क सीधी बुआई धान

- देर से बोई गई ऊपरीभूमि की स्थिति में, उगने के बाद विवाया 1.0 लीटर/एकड़ की दर से खरपतवारनाशक का छिड़काव या नोमिनी गोल्ड + साथी 80 मिली + 80 मिली/एकड़ का टैंक मिश्रण बुआई के 5-25 दिन बाद करना छिड़काव करना चाहिए।
- चावल की जड़-गांठ सूत्रकृमि और तना छेदक के स्थानिक क्षेत्रों में, कार्बोफ्यूरान कणिकाएँ 3 ग्राम/वर्ग मीटर की दर से या फोरेट 1 ग्राम/वर्ग मीटर की दर से या डायज़िनॉन 1 ग्राम/वर्ग मीटर की दर से बुवाई के 5 दिन बाद छिड़काव करना चाहिए।
- चावल की जड़ गांठ सूत्रकृमि संक्रमण के मामले में, कार्बोफ्यूरान 30 ई.सी. 1 1 किग्रा./हेक्टेयर की दर से या फेनसल्फोथियोन 1 किग्रा/हेक्टेयर की दर पर प्रयोग करें।

प्रतिरोपित धान

- यदि नर्सरी में बकाने रोग दिखाई दे तो संक्रमित पौधों को उखाड़ दें और कार्बेन्डाजिम 12% + मांकोजेब 63% डब्ल्यूपी (साफ़/ सेफ/ सराफा) 2.5 ग्राम/लीटर पानी से छिड़काव करें।
- यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का प्रकोप देखा जाता है, तो एनएसकेई (अजाडिरक्टिन) 800 मिली/एकड़ दर पर या लंबाडा-सायहोलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ दर पर या थियामेथोजाम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ दर से छिड़काव करें।
- यदि अंकुरित पौधों में अंगमारी दिखाई दे तो प्रोपिकोनाजोल 25 ईसी (टिल्ट/ज़ेरोक्स/धान/बम्पर) 1 मिली / 1 लीटर पानी दर से प्रयोग करें।
- यदि नर्सरी में पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी (नेटीवो) 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथियोलेन 40ईसी (फुजिता/फुजीओन/सुल्तान) 1.5 मिली प्रति लीटर दर पर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।
- भूरे धब्बे के मामले में, प्रोपिकोनाज़ोल 25ईसी (टिल्ट/ज़ेरोक्स/धान/बम्पर) 1 मिली की दर से या मैंकोज़ेब 75 डब्ल्यूपी या कार्बेन्डाजिम 64% + मैनकोज़ेब 8% 75 डब्ल्यूपी (साफ़/ सेफ/सराफा) 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- धान की नर्सरी में तना छेदक और पत्ता मोड़क फोल्डर के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर पर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल

4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर पर या करताप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर पर छिड़काव करें।

- केस वर्म के मामले में, इंडोक्साकार्ब 15.8% ईसी 80 मिली/एकड़ दर पर या फ्लुबेंडिंयामाइड 39.35% एससी 20 मिली/एकड़ दर पर छिड़काव करें।
- मुख्य खेत की भूमि की तैयारी 7-10 दिनों के अंतराल पर दो बार खेत को कीचड़दार बनाकर और एक समान फसल स्थापना के लिए भूमि को समतल करना चाहिए। पहली बार खेत को कीचड़दार करने से पहले लगभग 0.8 टन/एकड़ अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर डाला जा सकता है।
- मुख्य खेत में, खेत को प्रारंभिक समय पर कीचड़दार करने से पहले 5 से 6 सप्ताह वाली ढैंचा हरी खाद की फसल को शामिल करें।
- सिंचित/सामान्य वर्षा वाले क्षेत्रों में धान की रोपाई अगस्त के पहले पखवाड़े तक पूरी कर लेनी चाहिए।
- अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए, अंतिम बार कीचड़दार करने के समय आधारी मात्रा के रूप में 35 किग्रा डीएपी + 27 किग्रा एमओपी या 18 किग्रा यूरिया +100 किग्रा एसएसपी + 27 किग्रा एमओपी डालें। रेतीली मिट्टी में, 35 किग्रा डीएपी और 13.5 किग्रा एमओपी या 18 किग्रा यूरिया + 100 किग्रा एसएसपी + 13.5 किग्रा एमओपी डालें।
- जस्ता की कमी वाले क्षेत्रों में, अंतिम भूमि की तैयारी के समय जिंक सल्फेट 10 किग्रा / एकड़ या जिंक-ईडीटीए 6 किग्रा / एकड़ दर पर (दो साल में एक बार) डालें।
- बोरॉन की कमी वाली मिट्टी में, अंतिम भूमि की तैयारी के समय 2 किलो प्रति एकड़ की दर से बोरेक्स डालें।
- संकर किस्मों के लिए, खेत को अंतिम बार कीचड़दार के समय आधारी मात्रा के रूप में 53 किग्रा डीएपी +27 किग्रा एमओपी या 26 किग्रा यूरिया +150 किग्रा एसएसपी + 27 किग्रा एमओपी डालें।
- 25-30 दिनो वाली पौध की रोपाई 20 x15 सेमी की दूरी पर उथली गहराई पर करनी चाहिए, अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए प्रति पूंजा 2-3 पौध का प्रयोग करें। संकरों के लिए प्रति पूंजा केवल 1-2 पौध का प्रयोग करें।
- रोपाई के 5-10 दिनों बाद खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए, दानेदार शाकनाशी बेनसल्फ्यूरॉन मिथाइल 0.6% + प्रीटिलाक्लोर 6% जीआर 4 किग्रा / एकड़ की दर से 4 किग्रा रेत के साथ मिलाकर या खरपतवार निकलने के 8-10 दिन

बाद (या जब खरपतवार 2-3 पत्तों की अवस्था में हों) बिस्पाइरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली / एकड़ की दर से 16 लीटर क्षमता के 8 टैंकों में छिडकाव करें।

- शीघ्र रोपित धान में, यदि थ्रिप्स की समस्या देखी जाती है, तो किसान नीम के बीज की गिरी आधारित कीटनाशक जैसे अज़ाडिराक्टिन 0.15% 1 लीटर/एकड़ की दर से या लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ की दर से या थियामेथोक्सम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम /एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव कर सकते हैं।
- धान की खेत में तना छेदक और पत्ता मोड़क फोल्डर के संक्रमण की निगरानी के लिए 4-5 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर पर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर पर या कार्टैप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ 200 लीटर दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- अंडे परजीवी, ट्राइकोग्रामा जैपोनिकम (एनआरआरआई 0.00 .1) और का विमोचन ट्राइकोग्रामा चिलोनिस (एनआरआरआई 0.सी) तना छेदक और पत्ती का प्रबंधन करने के लिए क्रमशः तीन कार्डों पर फ़ोल्डर का संक्रमण (जिसमें शामिल हैं अंडे) प्रति हेक्टेयर एक बार कीट गतिविधि पर ध्यान दिया जाता है। ऐसे पांच रिलीज किए जाते हैं अंडे के द्रव्यमान या कीटों की गतिविधि दिखाई देने तक हर 7-10 दिनों के अंतराल पर, जो भी पहले हो।
- जब भी दो मुड़ी हुई पत्तियां/पूंजा दिखाई दें तो पत्ता मोड़क को नियंत्रित करने के लिए क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ दर पर या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ या, करटाप 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम/एकड़ दर से या क्विनालफॉस 25 ईसी 640 मिली/एकड़ 200 लीटर दर से पानी मिलाकर छिड़काव करें।
- अगर झुंड में आने वाली इल्ली, केस वर्म या हिस्पा का संक्रमण हो, तो क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी (500 मिली/एकड़) या क्विनालफॉस 25% ईसी (800 मिली/एकड़) का छिड़काव करें। छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200 लीटर पानी का इस्तेमाल करें।
- गॉल मिज संक्रमण के मामले में, फिप्रोनिल 05% एससी 400-600 मिली/एकड़ की दर से छिड़काव करें या थियामेथोक्सम 25% डब्ल्यूजी 40 मिली/एकड़ या लांबड़ा-साइहालोथ्रीन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ की दर से या क्लोरपाइरीफोस 20 ईसी

500 मिलीलीटर/एकड़ की दर से या कार्बोफ्यूरान 3% सीजी 20 किग्रा/एकड़ छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200 लीटर पानी का उपयोग छिड़काव के रूप में करें। यदि भूरा पौध माहू (बीपीएच) की संख्या ईटीएल (5-10 कीट/पूंजा) से अधिक हो जाती है, तो वैकल्पिक गीला और सुखाने का पालन करके धान के खेत का सूक्ष्म –जलवायु तकनीक बदलें। (पानी को लंबे समय तक खेत में जमा नहीं होना चाहिए)। यदि समस्या अभी भी बनी हुई है, ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10% एससी 94 मिली/एकड़ या पाइमेट्रोज़िन 50% डब्ल्यूजी 120 ग्राम/एकड़ या डिनोटिफ्यूरान 20% एसजी 60-80 ग्राम/एकड़ या थायामेथोक्सम 25% डब्ल्यूजी 40 मिली/एकड़ या एथोफेनोप्रोक्स 10% ईसी 200-300 मिली/एकड़ या एसफेथ 75% एसपी 400 ग्राम/एकड़ या फिपरोनिल 5% एससी 400-600 मिली/एकड़ उपयोग करें। छिड़काव के लिए 200 लीटर पानी प्रति एकड़ छिड़काव मात्रा के रूप में उपयोग करें। बीपीएच के खिलाफ कीटनाशकों केवल विशिष्ट/अनुशंसित खुराक का उपयोग करें। बीपीएच के संक्रमण के दौरान नाइट्रोजन उर्वरक का उपयोग करने से बचें ।